सरगम 7

पाठ 1. प्रणति

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। इस कविता में कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' उन लोगों के प्रति आस्था व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस जगत के अंधकार को मिटाने के लिए आत्म-बलिदान किया है।

पाठ का सार

कवि कहते हैं कि हमें उन लोगों के प्रति नतमस्तक तथा कृतज्ञ होना चाहिए जिन लोगों ने अपने जीवन की संपूर्ण ऊर्जा जगत को प्रकाशित करने में लगा दी। ये लोग अच्छाई और सच्चाई की रक्षा के लिए शहीद हो गए थे। ये लोग आँधी-तूफ़ानों के विरुद्ध जलने वाले दीपकों के समान हैं जिन्होंने प्रकाश देते-देते बुझ जाना स्वीकार किया, किंतु कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया। ऐसे लोग किसी से भयभीत नहीं होते। इन लोगों को बहुत बार इतिहास और वर्तमान भी ठीक से समझ नहीं पाते। संसार के लोग भौतिक सुखों की चकाचौंध में इतने उलझे होते हैं कि ऐसे परमार्थ व उच्च आदर्शों के धनी लोगों की महिमा को समझ ही नहीं पाते लेकिन समय के स्मृति पटल पर ऐसे ही लोगों का महत्व सदा-सदा के लिए अंकित हो जाता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का आदर्श वाचन करवाएँ। ओजपूर्ण स्वर में कविता का एकल व सामूहिक गायन करवाया जा सकता है।

  शब्दार्थ व कविता के भावपूर्ण सरलीकरण के बाद अर्थग्रहण का परीक्षण किया जा सकता है। बीच-बीच में महात्मा गांधी, मदर टेरेसा जैसे लोगों के उदाहरण दिए जा सकते हैं। भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे बलिदानियों के विषय में चर्चा करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों** व **पहेलियों** के उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।
  - **पठित परिच्छेद** के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सटीक हों, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर मूल पाठ में से बच्चों को ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि वे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्द-निर्माण की प्रक्रिया को समझाने के लिए उदाहरण देते हुए बच्चों को नये शब्द बनाने के लिए कहें।
  - बहुवचन बनाने में जिन शब्दांशों का प्रयोग किया जाता है, उनके बारे में चर्चा करें।

- ❖ वाक्य-निर्माण में ध्यान रखें कि बच्चे छोटे-छोटे वाक्य बनाएँ एवं उनमें लिंग, वचन, आदि संबंधी अशुद्धियाँ न हों। यदि भूलवश अशुद्धियाँ हो गई हों तो उनका निराकरण करें।

क्रियाकलाप के लिए संकेत

- ❖ भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, आदि पर बनी हिंदी फ़िल्मों पर चर्चा के द्वारा बच्चों के मनोजगत को आंदोलित किया जा सकता है।
- ❖ कक्षा में कविता के सामूहिक वाचन की गतिविधि कराई जा सकती है। यह ध्यान रहे कि स्वर ओजपूर्ण और भावपूर्ण हो।